(1818 में) महाकौशल विद्रोह (सीताबर्डी की लड़ाई - 1818)

बाजीराव-II — 1802 में अंग्रेजों से 'बसिन की संधि' (subsidiary alliance)

(II anglo maratha war)

| होल्कर ⟷ अंग्रेज | (यशवंत राव होल्कर से डरकर)

बाजीराव II को अंग्रेजों द्वारा control किया गया

फिर सब मिलकर लड़े

(III Anglo maratha war)

↓

बाजीराव II ने पुणे HQ पर हमला किया

इस समय नागपुर में मुधो जी भोंसले थे (अप्पा जी भोंसले) ने भी अंग्रेजों से लड़ाई शुरू की (सीताबर्डी में) 1818 मे

→ महाकौशल विद्रोह

↓ (इनकी सेना में अरब सैनिक थे)

अंग्रेजो से म.प्र. में हुई पहली लड़ाई ✓

Finally अंग्रेजों से भागकर जोधपुर के राजा के घर मेहमान बनकर रहे।

1818-19 में भोपाल के नबाव → नजर मोहम्मद खान ✓

(अंग्रेजों से संधि) - रायसेन की संधि

(सीहोर से छावनी संचालित करेगी) (एजेंट मैडॉक)

सीहोर विद्रोह 1824

इनके बाद 107 साल तक बेगमों का शासन रहा

पहली बेगम → कुदासिया बेगम (पत्नी) → (बेटी सिकंदर जहाँ बेगम)

भोपाल रियासत में — नरसिंहगढ़ की रियासत भी आती थी

↓

यहाँ के उमठ-परमार वंश के राजा

कुँवर चैन सिंह

इनके दो मंत्री

- रूप राम बोहरा
- आनंद बख्शी

चैन सिंह ने दोनों को मार दिया

(यह दोनों दरबार की सारी खबर अंग्रेज एजेंट मैडॉक तक पहुँचाते थे) ✓

मैडॉक + चैन सिंह ← बैरसिया में मीटिंग की ✓

(Meeting 1)

↓

अंग्रेजों ने चैनसिंह से कहा

- नरसिंहगढ़ रियासत मांग ली
- अफीम की जितनी खेती हुई वह पूरी मांग ली

(चैनसिंह नहीं माने)

(Meeting 2)

मैडॉक + चैन सिंह — (सीहोर के दशहरा बाग में मिलने बुलाया)

(24 जुलाई 1824) को शहीद

(चैनसिंह 40 लोग लेकर गए थे)

(2015 के बाद से पुलिस गार्ड ऑफ ऑनर देती है)

कौमी एकता दिवस

क्योंकि अंग्रेजों से लड़ने हिन्दू मुस्लिम दोनों गए थे ✓

सीहोर का मंगलपांडे

सीहोर ↑ दशहरा बाग और नरसिंहगढ़ ↑ क्षारबाग में समाधियाँ हैं

बुंदेला विद्रोह

- 1835 में सभी बुंदेली राजा काशी के एक मेले "बुढ़वा मंगल" में गए।
- वहाँ सभी राजाओं ने अंग्रेजों के अत्याचार के विरुद्ध विचार रखें।
- सभी को यह meeting अच्छी लगी तो म.प्र. में भी 'बुढ़वा मंगल' का आयोजन रख मीटिंग बुलाई → (चरखारी रियासत में) (1836)

महोबा की जैतपुर रियासत के राजा → राजा पारीक्षीत (ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने का प्रस्ताव रखा)

1842 में (आसपास) →
- अंग्रेजों की लड़ाई अफगानों से चालू हुई
- अंग्रेजो की स्थिति नाजुक होने से बुंदेलखंड से अंग्रेजो ने सेना को बुलवा लिया।
- इस समय को सही मानकर बुंदेली राजाओं ने विद्रोह की तैयारी कर ली।

(इसी बीच अंग्रेजो ने चित्रकूट में गायों की हत्या की)

- चिरगाँव से → बखत सिंह
- जैतपुर → राजा पारीक्षीत
- नरहट के ठाकुर → राव बहादुर → मधुकर शाह, गणेश जू
- चंद्रपुर से → जवाहर सिंह
- हीरापुर से → हिरदेशाह
- नरसिंहपुर → दिल्लन शाह

→ मिलकर अंग्रेजो के खिलाफ 1842 में बुंदेला विद्रोह शुरू किया

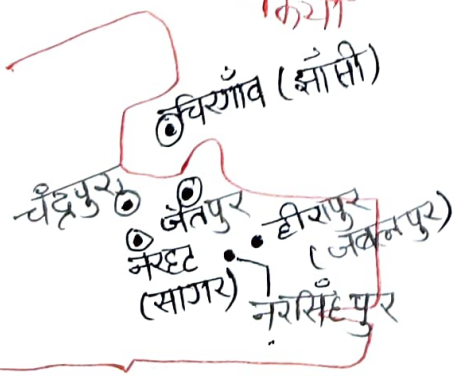

क्या? 1836 में राजा परीक्षीत के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह के लिए सभी साथ आ चुके थे। (4)

① नरहट के ठाकुर (सागर के पास) → राव बहादुर की बहुत जमीन कर न भरने पर अंग्रेजों द्वारा कुर्की कर दी गई थी।

- झुकनिया को बुलाया (नाचने वाली) और सभी जमीनदारों को न्यौता दिया (होली पर 1842 में)
- अंग्रेजो को मालूम हुआ तो राव बहादुर को उठा दिया कि टैक्स न भरकर यहाँ पैसे उड़ा रहे।
- बेइज्जती हुई → बेटे मधुकर शाह और गणेश जू ने बदले का ऐलान किया। (बुंदेला विद्रोह का नेतृत्व किया) ✓

इन्हें बानपुर के राजा मर्दन सिंह ने पकड़वा दिया (चंदेरी के लालच में) → हैमिल्टन को

(मधुकर शाह को फांसी) (गणेश जू को काला पानी)

② चंद्रपुर के जवाहर सिंह →
- पशु चोरी का आरोप लगाया
- बुंदेला विद्रोह में साथ दिया।

③ जैतपुर के राजा पारीक्षीत → कानपुर जेल में फांसी (रानी लड़ई ने पकड़वाया)

④ हीरापुर के हृदयेशशाह (लोधी) →
- इन्हें अंग्रेजो ने छोड़ दिया। फिर इन्होंने 1857 की क्रांति में भाग लिया।

(शाहगढ़)/ गढ़ाकोटा के बखतवली ने पकड़वाया (1842) (गढ़ाकोटा के लिए) → स्लीमैन को

ललितपुर — बानपुर → मर्दन सिंह (स्टुअर्ट ने पकड़ा) → 1857

सागर — शाहगढ़ → बखतवली (ह्यूरोज ने पकड़ा) → 1857

1857 → झाँसी की रानी के साथ लड़े

सिंधिया ने जमीन छीनी और अंग्रेजों ने वापस दिलाने का वादा किया

Political causes →

Ring Fence Policy → Warren Hastings (Audh)

Subsidiary Alliance Policy → Wellesely →

Doctrine of Lapse
↓
(Dalhousie)

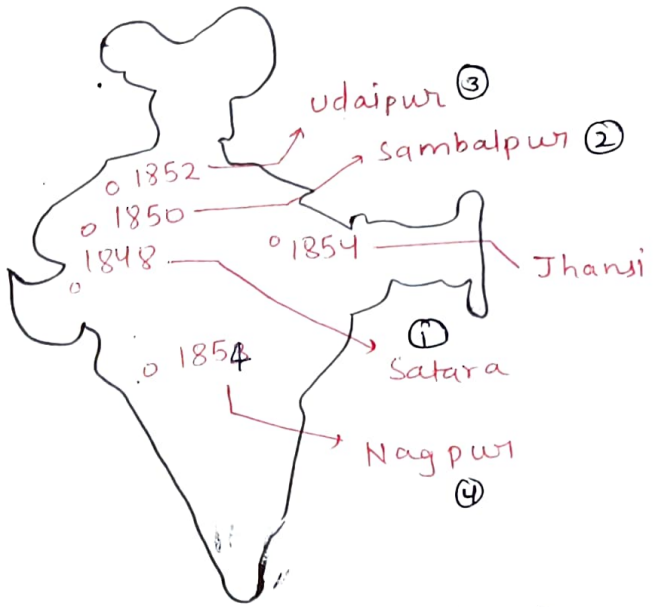

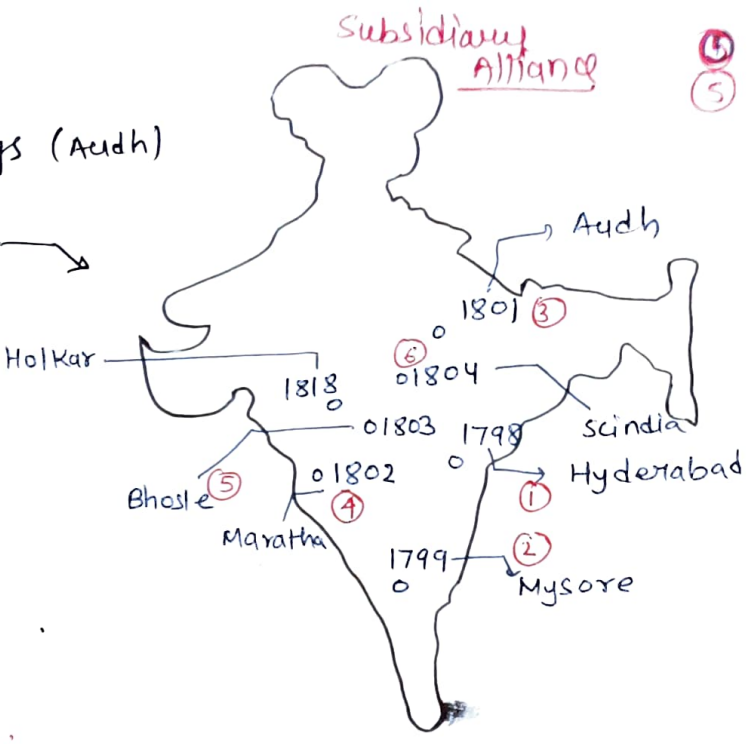

Lord canning →

Mughal Emperor से कहा कि अब आगे कोई Emperor नहीं बनेगा और Delhi Fort छोड़ना पड़ेगा [Bahadur Shah Zafar II]

पेशवा बाजीराव ने नाना साहेब को Adopt किया था।

बाजीराव → इन्हें Pension मिलती थी

नाना साहेब ← इन्हें देने से मना कर दिया (Pension)

Economic causes →

1) INAM Comission → ईनाम में दिए हुए Land पर भी tax लगाने लगे।

2) Salt tax → 1855 से यह tax लगाया। (M.P. में सागर और सिवनी से)

Administrative causes →

1) Lack of Administrative instability →

पहले सागर-दमोह Territory बुंदेलखंड में थी फिर इसे उठा कर North-west Province का हिस्सा बना दिया फिर जब बुंदेला

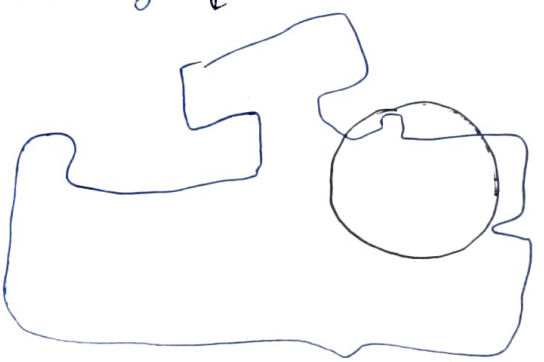

विद्रोह हुआ तो वापस बुंदेलखंड में मिला दिया और central province बना दिया। (इससे लोगों को problem होती थी)

Millitary causes →

1) यदि समुद्र पार किया तो हिन्दु नहीं माना जाता था।
Anglo-Burma war के दौरान जबरदस्ती Burma ले गए जिस कारण society से बेदखल कर दिया।

2) Afghan war के दौरान meat खाना पड़ा (वहाँ veg खाना नहीं मिला)

Postal Act of 1854 →

- Army वालों के लिए चिट्ठी ले जाना free था पर 1854 में इस पर Tax लगा दिया गया। (कई महीनों तक घर पर बात नहीं हो पाती थी)

Social causes →

1) Infanticide बंद (पहला गंगा में बहाते थे)
2) सती प्रथा बंद
3) widow marriage चालू
4) Property Act से धर्म बदलने पर भी बेदखल नहीं कर सकते।

Immediate cause → Enfield Rifle (चर्बी)

29th March 1857 → Mangal Pandey Revolt (Bengal Barrackpore Revolt)
8th April 1857 → Hanged

31 May 1857 से सभी ने Revolt करने की Date decide की
symbol - (Lotus & chappati)

अंग्रेजो ने मेरठ में 9th may 1857 को कुछ लोगों को planning करते हुए Arrest कर लिया।
इस कारण मेरठ में 10th may 1857 में ही चालू कर दिया
(तो एक साथ Revolt चालू नहीं हो पाया)
(अंग्रेजों को suppress करना आसान हुआ)

- यह SEPOY MUTINY थी ✓

इनकी कोई तैयारी नहीं थी और सभी को साथ लाने के लिए दिल्ली बहादुर शाह जफर II को लीडर बना लिया।

म०प्र० में 1857 की क्रांति –

शुरुवात – नीमच (NIMACH) से (3rd June 1857)

(1) [North Indian Millatary and cavillary Headquaters]
(घोड़ा)

(2) **दमोह** → किशोर सिंह लोधी
supported by → शंकर शाह (गढ़ा मंडला)

ब्रिटिश ने दोनों को मार दिया
जिससे → मैहर के सरजूप्रसाद भी Rebel कर देते हैं।
(विजयराघवगढ़)

(3) **रामगढ़** → अवंतीबाई ⟷ वाडिंगटन से लड़ी
(डिंडोरी)
Battle of खैरी

(4) **सागर** → (1st July 1857)
ब्रिटिश आर्मी के शेख रमजान ने (senior subedar)

अम्बापानी के नवाब भाई → नवाब फाजिल, नवाब आदिल

यह सागर capture कर लेते हैं

(5) **भोपाल** → सिकंदर जहाँ बेगम के दो अधिकारी → वली शाह, महावीर कोठा
(सिपाही बहादुर सरकार बनाई)

(6) **इंदौर** → अमझेरा – बख्तावर सिंह
महु – शआदत खाँ

Tribals →

1) तात्या भील (Indian Robinhood)
↓
यह निमाड़ में लड़े
(खंडवा / खरगौन)
↓
इन्हे पातालपानी में
(यहाँ समाधि है) ✓

2) भीमा नायक
(Robin hood of Nimar)
↓
(यह बड़वानी में)
↓
इन्हे A&N में फांसी

जैतपुर नरेश — राजा पारीक्षीत की मृत्यु के बाद इनकी विधवा
(महोबा) रजोरानी 1857 की क्रांति में participate करती हैं।

ओरछा → लड़ई रानी — दीवान - (नत्थे खाँ) } → यह रजोरानी और झाँसी रानी की News अंग्रेजों को

राजा पारीक्षीत (जैतपुर)
रजोरानी की help ↔ देशपत बुंदेला → इन्हें पकड़वाया। → जगतराम

रीवा → रणमत सिँह → इनकी खबर रघुराज ने दी (बघेल शासक)

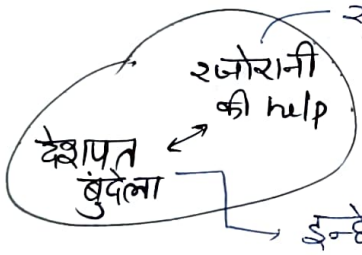

झाँसी → 1 June 1858 → ग्वालियर ← पेशवा के भाई राव साहब
ग्वालियर → अंग्रेजों ने जीत लिया

[अंग्रेजो ने central India का head बनाया। → Hamilton को
इसने force बनाई central India force → Head ह्यूरोज]

[झंड]ा सत्याग्रह →

शांतिपूर्ण अवज्ञा आंदोलन

[महात्मा गाँधी ने 1922 में असहयोग आंदोलन वापस लिया और गिरफ्तारी दे दी।]

[लोग हतोत्साहित होने लगे]

8 मार्च 1923 को कांग्रेस सदस्यों ने नगरपालिका भवन पर झंडा फहराने से European Deputy commissioner ने झंडा नीचे उतारकर पैरो से रौंदा। → [झंडा आंदोलन चालू किया]

लोगों में वापस उत्साह लाने के लिए शुरुआत हुई जिसके कर्णधार पंडित सुंदरलाल थे।

18 मार्च को पं. सुंदरलाल के नेतृत्व में जुलूस
जुलूस का झंडा विशम्भरनाथ पांडे के हाथों में था
नाथूराम मोदी

पहली महिला जो झंडा सत्याग्रह में बंदी बनायी गई → सुभद्रा कुमारी चौहान

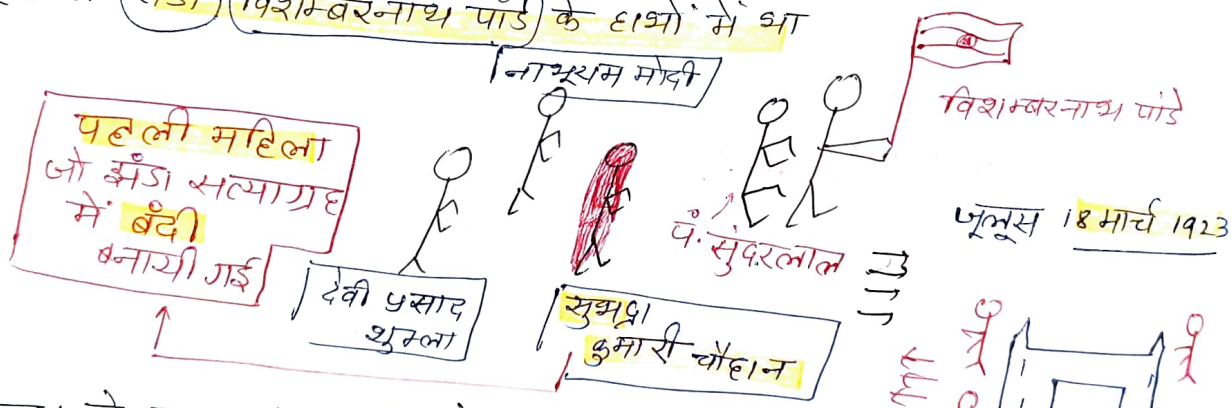

जुलूस 18 मार्च 1923

- जुलूस को Town hall पर रोका गया
- नव युवकों ने चढ़कर Town hall जबलपुर पर झंडा फहरा दिया (पहला झण्डा)

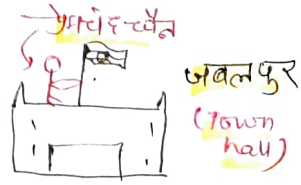

फहराने वाले नवयुवक → दमोह के प्रेमचंद जैन

- विद्रोह का केन्द्र - नागपुर में जमनालाल बजाज के नेतृत्व में
(आंदोलन ने भारतीय रूप लिया

- 18 अगस्त 1923 को ब्रिटिश अधिकारियों ने झुककर राष्ट्रध्वज के साथ 100 स्वयं सेवकों को जुलूस की अनुमति दी।

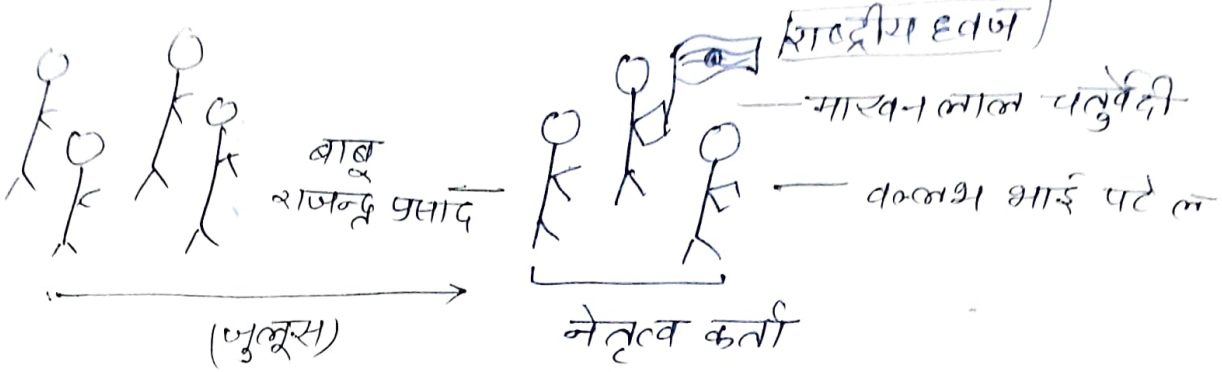

स्वराज्य दल →

अक्टूबर 1923 → डॉ ई. राघवेन्द्र राव की अध्यक्षता में — हिन्दी मध्य प्रांत

डॉ बी. एस मुंजे की अध्यक्षता में — मराठी मध्य प्रांत

के लिए स्वराज्य दल का गठन

- स्वराज्य दल 1923 चुनाव में मध्य प्रांत और बरार से उल्लेखनीय सफलता। (47/70) सीट

सविनय अवज्ञा आंदोलन → दो चरण में

- पहला नमक सत्याग्रह
- दूसरा जंगल सत्याग्रह

युद्ध समिति →

गांधीजी ने नमक कानून तोड़ा

↓

कांग्रेस समितिया अवैध घोषित

↓

नाम युद्ध समिति कर दिया गया

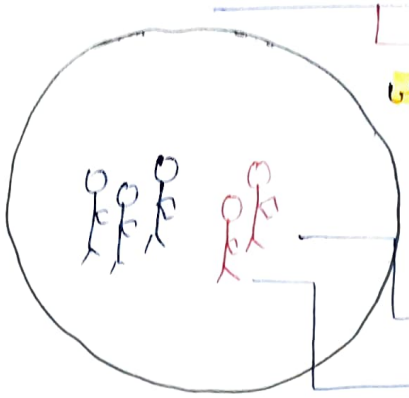

सत्याग्रह →

6 अप्रैल 1930 (गांधीजी ने इसी दिन नमक कानून तोड़ा) ③

जबलपुर का मध्य प्रांत
(महाकौशल क्षेत्र)

↓

इसकी युद्ध समिति के अध्यक्ष
→ सेठ गोविंद दास ←

और मंत्री द्वारका प्रसाद मिश्र

के नेतृत्व में जुलूस

- पूर्ण स्वराज्य के लिए शपथ
- नमक कानून भंग किया
  ↓
  कटनी, मंडला, दमोह, रायपुर, सीहोरा में
  ↓
  (आंदोलन को गति दी)

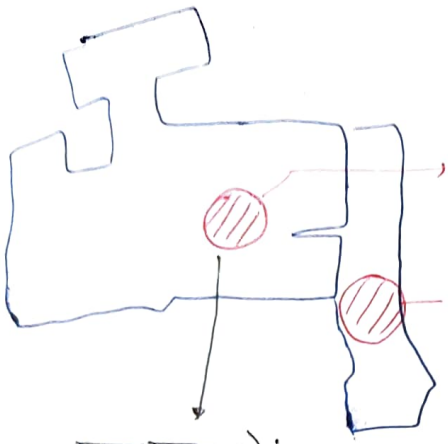

हिन्दी मध्य प्रांत (महाकौशल)

रायपुर मध्य प्रांत

↓

15 अप्रैल 1930 को
रायपुर मध्य प्रांत की राजनीतिक परिषद की बैठक में (द्वारका प्रसाद मिश्र ने)
↓
हिन्दी मध्य प्रांत का नाम महाकौशल कर दिया।

जबलपुर में

सेठ गोविंद दास | द्वारका प्रसाद मिश्र

↓

तरुण सभा की स्थापना

सेवादल का गठन किया

फरवरी 1930 → दोनों के संपादन में जबलपुर से दैनिक लोकमत
खंडवा से स्वराज्य (साप्ताहिक)
] प्रकाशन

↓

(इनसे प्रचार किया)

जंगल सत्याग्रह → गंजन सिंह कोरकू

- परिकल्पना द्वारका प्रसाद मिश्र ने → प्रस्ताव कांग्रेस अध्यक्ष मोतीलाल नेहरू को रखा
- जंगल कानून का विरोध → वनवासियों का समर्थन प्राप्त करने की मंशा (वनोपज पर कर)
- द्वारका प्रसाद के गिरफ्तार होने पर → 10 जुलाई 1930 को (सत्याग्रह प्रारंभ) बापूजी अड़े के नेतृत्व में प्रारंभ
- 9 अगस्त 1930 → सिवनी के दूरिया नामक स्थान पर मूंका नामक लोहार के नेतृत्व में हजारों गोंड ने जंगल कानून भंग किए।
  बाद में दुर्गाशंकर मेहता ने नेतृत्व किया।

वानर सेना, बाल सभाएं — बच्चों के लिए गठित

दुर्गा सेना (दुर्गावती के नाम पर) — सागर की छोटी लड़कियों के लिए

भोपाल में प्रजामण्डल → 1938

जमनालाल बजाज + हरिभाऊ उपाध्याय

ब मेल हत्याकांड – [23 जुलाई 1931]

[दिल्ली]   → [मुंबई]

खंडवा के
- वीर यशवंत सिंह
- देवनारायण तिवारी
- दलपत राव

→
- अंग्रेजी अफसर [हिम्सर]
- मेजर [शाहन]
- पालतू कुत्ते

(मार डाला)

↓

[आजीवन कारावास की सजा हुई]

चरण पादुका नरसंहार → [14 जनवरी 1931] मकर संक्रांति

छतरपुर का [चरपादुका मैदान]

म.प्र. का जालियाँवाला

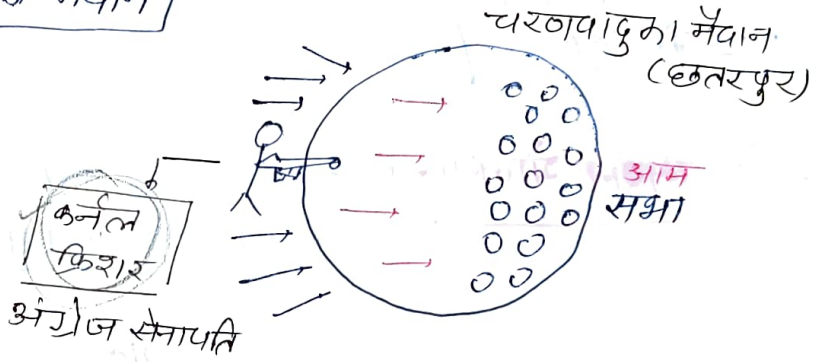

त्रिपुरी अधिवेशन → [29 जनवरी 1939]

- कांग्रेस का [52 वाँ] अधिवेशन
- सुभाष बोस ने पट्टाभी सीतारमैया को 203 मतों से पराजित किया।
  (MG gandhi के candidate)

अगस्त प्रस्ताव के बाद → व्यक्तिगत सत्याग्रह → प्रथम सत्याग्रही [विनोबा भावे]

जबलपुर के प्रथम व्यक्तिगत सत्याग्रही → [बाबू गोविंद दास]

प्रथम महिला सत्याग्रही → [श्रीमति प्रमिला]

भारत छोड़ो आंदोलन → के दौरान म.प्र. के

विनोबा भावे	काका कालेकर	सेठ गोविंद दास

[बैंगलुरु जेल में रखे गए]

जेल का भाषण प्रसिद्ध

द्वारका प्रसाद मिश्र – बैंगलुरु जेल में कृष्णायन महाकाव्य की रचना।

9 जनवरी 1946 → भारत सरकार द्वारा केंद्रीय विधान मंडलों के निर्वाचन की घोषणा

इस दिन मतदान म.प्र. में हुए

कैबिनेट मिशन योजना → के अनुसार संविधान सभा में प्रांतों का प्रतिनिधित्व जनसंख्या के आधार पर

↓

मध्यप्रांत और बरार के लिए 17 थी

↓

(सिर्फ एक मुस्लिम)

15 अगस्त 1947 → प्रांतीय गवर्नर मंगलदास पकवास शपथली

↓

ने नागपुर के सीताबर्डी के किले पर मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल ने

↓

राष्ट्रीय ध्वज फहराया

भोपाल का जलियाँवाला → 14 जनवरी 1949

↓

रायसेन नर्मदा नदी तट पर तिरंगा (भोपाल रियासत)

↓

नबावी सेना के जफल अली ने गोली से मारा